खास खबरें

ये है दुनिया का सबसे बड़ा होटल, 10 हजार कमरों की इस इमारत में 5 मंजिल पर नहीं जा सकता आदमी

दुनियाभर में एक एक से बढ़कर एक आलीशान और महंगे होटल मौजूद हैं। कुछ होटल तो इतने बड़े और महंगे होते हैं जहां जाना हर किसी के बस की बात नहीं। लेकिन क्या आपने दुनिया का सबसे बड़ा होटल देखा है आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के सबसे बड़े होटल में 10 हजार कमरे होंगे। साथ ही इसके पांच फ्लोर को सिर्फ सऊदी अरब के शाही परिवार के इस्तेमाल के लिए बनाया गया है। ये होटल सऊदी अरब के शहर मक्का में बन रहा है, जिसे बनने के बाद दुनिया का सबसे बड़ा होटल कहा जाएगा। इस होटल का नाम 'अबराज कुदाई' रखा गया है इस होटल में 10 हजार कमरे होंगे। 12 टावर्स वाले इस आलीशान होटल में 70 रेस्टोरेंट होंगे, जो रात-दिन खुले रहेंगे। इस होटल की बिल्डिंग के ऊपर चार हैलीपैड्स भी बनाए गए हैं। यहां का सबसे ऊंचा टावर 45 मंजिल, जबकि सबसे छोटा टावर 30 मंजिल का होगा।

इस होटल के निर्माण में 233 अरब रुपये खर्च होंगे। इसका डिजाइन डार अल-हंदासाह ग्रुप ने तैयार किया है। इसके पांच फ्लोर को सिर्फ सऊदी अरब के शाही परिवार के इस्तेमाल के लिए ही बनाया गया है, जहां बिना इजाजत आम लोग नहीं जा सकते हैं। उम्मीद थी कि यह होटल 2017 में ही बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन कुछ आर्थिक परेशानियों की वजह से इसका निर्माण रोक दिया गया था। फिलहाल इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है कि यह कब तक बनकर तैयार हो जाएगा।

दक्षिण कोरिया के नोक्डो आईलैंड पर बचे हैं सिर्फ 3 बच्चे, बूढ़ी हो गई पूरी आबादी

दक्षिण कोरिया के एक आईलैंड पर सिर्फ 3 बच्चे ही बचे हैं। ये तीनों एक ही परिवार के हैं। इनके अलावा करीब 100 लोगों से अधिक की आबादी वाले आईलैंड में कोई बच्चे ही नहीं हैं। हालात यहां तक खराब हो चुके हैं कि उस आईलैंड पर कोई जाना भी नहीं चाहता। आज दक्षिण कोरिया पूरे एशिया महाद्वीप पर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है, लेकिन देश को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी आबादी ही अब कम हो चली है।

दक्षिण कोरिया साल 2020 में पूरी दुनिया में सबसे कम जन्मदर वाला देश था। इसी देश के नोक्डो आईसलैंड में रहने वाले इन तीन बच्चों की कहानी ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा है। दरअसल, इन तीन बच्चों के खेलने के लिए यहां खूब खाली जगह है। इलाके में ट्रैफिक की भी कोई समस्या नहीं। लेकिन समस्या है कि उनके साथ कोई खेलने वाला नहीं। यही नहीं, उनकी पढ़ाई लिखाई भी प्रभावित हो रही है।

इससे भी अलग बात ये है कि ये बच्चे भी इस आईलैंड के निवासी नहीं, बल्कि आईलैंड के इकलौते चर्च में पादरी का काम करने वाले व्यक्ति के बच्चे हैं और वो साल 2016 से यहां रह रहे हैं। इसका मतलब है कि इन तीन बच्चों के आने से पहले इस आईलैंड पर कोई बच्चा ही नहीं था।

इन तीन बच्चों में चान ही सबसे बड़ा है। उसके पिता ल्यू जिउन-पिल की उम्र 42 साल है और वो इस आईलैंड पर रहने वाले कम उम्र के लोगों में से एक हैं। इस आईलैंड को लेकर पिल कहते हैं कि मेरा यहां रहना स्थाई नहीं है। चूंकि जबतक पादरी की नौकरी है, तभी तक मैं यहां रहूंगा। हालांकि ये आईलैंड बहुत प्यारा है। लेकिन यहां बच्चों का कोई भविष्य नहीं है। मैं इसलिए भी ये आईलैंड छोड़ने को मजबूर हो जाऊंगा।

नोक्डो आईलैंड कभी पूरी तरह से गुलजार हुआ करता था। लेकिन 1970-1980 के दशक में दक्षिण कोरिया में परिवार नियोजन कार्यक्रमों ने जोर पकड़ा और देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा। जिसकी वजह से देश की बड़ी आबादी बच्चे पैदा करने के प्रति उदासीन हो गई। और अब हालात ये हैं कि साल 2020 में दक्षिण कोरिया दुनिया में जन्मदर के मामले में सबसे पीछे रह गया।

कोरोना महामारी के बावजूद फिनलैंड में लोग सबसे ज्यादा खुश, जानें भारत का कौन सा नंबर

कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया में तबाही मचा रखी है। अब तक 27 लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच एक रिपोर्ट से पता चला कि कोरोना संकट के दौरान भी फिनलैंड के लोग सबसे अधिक खुश रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट में फिनलैंड को लगातार चौथे साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश पाया गया है। वहीं भारत 149 देशों की इस सूची में 139वें नंबर पर है।

वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट में पाया गया है कि कोरोना महामारी से सबक लेते हुए पूंजी नहीं स्वास्थ्य पर जोर देना होगा। संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन्स नेटवर्क की ओर से जारी वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट के अनुसार, खुशहाल देशों की सूची में डेनमार्क दूसरे, स्विट्जरलैंड तीसरे नंबर पर है।

पांच सबसे खुशहाल देश

- फिनलैंड
- डेनमार्क
- स्विट्जरलैंड
- आइसलैंड
- नीदरलैंड

शीर्ष-10 में शामिल अकेला गैर यूरोपीय देश न्यूजीलैंड एक अंक फिसलकर नौवें स्थान पर आ गया है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस सूची में पिछले साल 18वें नंबर पर था, जो इस बार 14वें नंबर पर है। इसी तरह ब्रिटेन पांच अंक फिसलकर 18वें नंबर पर आ गया है। रिपोर्ट को तैयार करने में 149 देशों में खुशहाली का स्तर पता करने के लिए गैलप के आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। मुख्य रूप से जीवन की गुणवत्ता, सकारात्मक और नकारात्मक भावों के आधार पर इस रिपोर्ट को तैयार किया गया है।

चीन खुश देशों में 20वें नंबर पर-रिपोर्ट के अनुसार, बुरूंडी, यमन, तंजानिया, हैती, मालावी, लेसोथो, बोत्सवाना, रवांडा, जिम्बॉम्बे और अफगानिस्तान भारत से कम खुशहाल देश हैं। इसी तरह पड़ोसी मुल्क चीन पिछले साल इस सूची में 94वें स्थान पर था, जो अब उछलकर 19वें स्थान पर आ गया है। नेपाल 87वें, बांग्लादेश 101, पाकिस्तान 105, म्यांमार 126 और श्रीलंका 129वें स्थान पर है।

क्या आप बीते दिन खूब हंसे थे सकारात्मक भाव की श्रेणी में सर्वे में शामिल लोगों से पूछा गया था कि क्या आप पिछले दिन खूब हंसे या मुस्कुराए थे। इसी तरह नकारात्मक भावों में ये पूछा गया कि जिस दिन आप हंसे या मुस्कुराए थे, क्या उस दिन आप किसी बात को लेकर निराश हुए थे। इसी तरह जीवन की गुणवत्ता के आधार पर लोगों के संतोष भाव को जाना गया है।

महामारी से हमें सीखना होगा-रिपोर्ट के अनुसार, महामारी के बीच फिनलैंड में लोगों के बीच आपसी विश्वास देखा गया। यहां के लोगों में एक-दूसरे का जीवन बचाने और मदद करने का भाव देखा गया। रिपोर्ट तैयार करने वाले जेफरी सच्स का कहना है कि कोरोना महामारी से हमें सीखना होगा। महामारी ने दुनिया को बताया है कि पूंजी से ज्यादा जोर स्वास्थ्य पर देना होगा।

होलाष्टक के 10 वर्जित कार्य कौन-कौन से हैं, जानिए ...

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। होलाष्टक होली दहन से पहले के 8 दिनों को कहा जाता है। इस बार 22 मार्च 2021 से 28 मार्च 2021 तक होलाष्टक रहेगा। इस वर्ष होलिका दहन 28 मार्च को किया जाएगा और इसके बाद अगले दिन रंगों वाली होली खेली जाएगी। होलाष्टक के दौरान प्रमुख रूप से 10 कार्य वर्जित होते हैं।

होलाष्टक 2021 में वर्जित कार्य

1. विवाह करना
2. वाहन खरीदना
3. घर खरीदना
4. भूमि पूजन
5. गृहप्रवेश
6. 16 संस्कार
7. यज्ञ, हवन या होम
8. नया व्यापार शुरु करना
9. नए वस्त्र या कोई वस्तु खरीदना
10. यात्रा करना

होलाष्टक को ज्योतिष की दृष्टि में एक दोष माना जाता है। विवाहिताओं को इस दौरान मायके में रहने की सलाह दी जाती है। विशेष रूप से इस समय विवाह, नए निर्माण व नए कार्यों को आरंभ नहीं करना चाहिए। ऐसा ज्योतिष शास्त्र का कथन है। अर्थात इन दिनों में किए गए कार्यों से कष्ट, अनेक पीड़ाओं की आशंका रहती है तथा विवाह आदि संबंध विच्छेद और कलह का शिकार हो जाते हैं या फिर अकाल मृत्यु का खतरा या बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है।

30 लाख में हुआ सांप का सौदा, डिलीवरी से पहले हुई गड़बड़

रायपुर। दुर्लभ प्रजाति के रेड सैंड बोआ सांप की तस्करी करने के आरोप में छत्तीसगढ़ पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी इस सांप को 30 लाख रुपये में बेचने वाले थे, लेकिन डिलीवरी से पहले ही पुलिस को इसकी भनक लग गई और उनका प्लान फेल हो गया।

पुलिस ने किया सांप का रेस्क्यू-अधिकारियों ने बताया, साइबर सेल को जानकारी मिली थी कि कुछ लोग पुराना राजेंद्र नगर स्थित एक मकान में दुर्लभ प्रजाति का सांप लेकर आए हैं और उसे बेचने के लिए ग्राहक ढूंढ रहे हैं। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो उन्हें प्राप्त सूचना सही मिली। जिसके बाद तस्करी कर रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही ड्रम से रखे गए रेड सैंड बोआ सांप को भी रेस्क्यू कर लिया गया।

10 लाख में खरीदा था सांप-पूछताछ के दौरान आरोपियों ने ताया कि वो केरल के रहने वाले हैं और ये सांप उन्होंने आंध्र प्रदेश के चित्तूर से 10 लाख में खरीदा था। वे इस सांप को 30 लाख में बेचकर मुनाफा कमाना चाहते थे और इसी लिए रायपुर आए थे। इसके सौदे की बात भी हो गई थी। लेकिन डिलीवरी से पहले ही वे पकड़े गए। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजेंद्र नगर इलाके में किराए पर रह रहे थे और किसी को शक ना हो इसलिए घरों में पेंट लगाने का काम भी करते थे।

कुत्ते ने लोट-लोटकर किया नागिन डांस

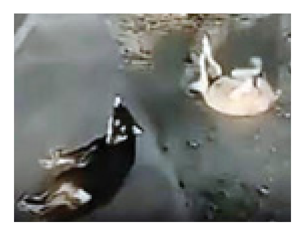

क्या आपने कभी किसी कुत्ते को नागिन डांस करते देखा है? अगर नहीं तो वायरल वीडियो आपके लिए ही है। वायरल हो रहे इस वीडियो को सोशल मीडिया पर कई हैंडल्स से शेयर किया जा रहा है। इसमें दिखाई देता है कि एक सफेद रंग का कुत्ता सड़क पर लेटा है और डांस कर रहा है। इस कुत्ते के नाचने का तरीका बिल्कुल वैसा ही है जैसे लोग जमीन पर लेटकर नागिन डांस करते हैं। यही वजह है कि वीडियो लोगों को खूब भा रहा है।

होलाष्टक के 8 दिनों में करें ये 8 कार्य तो होंगे बहुत ही फायदे

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। होलाष्टक होली दहन से पहले के 8 दिनों को कहा जाता है। कहते हैं कि इन 8 दिनों में प्रहलाद को उनके पिता हिरण्यकश्यप ने कई तरह के त्रास दिए थे। उसके बाद 8वें दिन होलिका के साथ उसे आग में बैठा दिया था। प्रभु की कृपा से होलिका तो जल गई परंतु भक्त प्रहलाद बच गए। यही कारण है कि इन आठ दिनों में कोई भी मांगलिक कार्यों को करना निषेध होता है। इस समय मांगलिक कार्य करना अशुभ माना जाता है। परंतु इन दिनों में 8 कार्य करके आप फायदा उठा सकते हैं। इस बार 21-22 मार्च से 28 मार्च 2021 तक होलाष्टक रहेगा।

होलाष्टक के प्रारंभ होने वाले दिन एक स्थान पर दो डंडे स्थापित किए जाते हैं। जिनमें से एक डंडा होलिका का प्रतीक तो दूसरा डंडा प्रहलाद का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद इन डंडों को गंगाजल से शुद्ध करके के बाद इन डंडों के इर्द-गिर्द गोबर के उपले, लकड़ियां, घास और जलाने वाली अन्य चीजें इकट्ठा की जाती है और इन्हें धीरे-धीरे बड़ा किया जाता है और अंत में होलिका दहन वाले दिन इसे जला दिया जाता है।

1. होलाष्टक में पूजा-पाठ करने और भगवान का स्मरण भजन करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि होलाष्टक में कुछ विशेष उपाय करने से कई प्रकार के लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।
2. होलाष्टक के दौरान श्रीसूक्त व मंगल ऋण मोचन स्तोत्र का पाठ करना चाहिए, जिससे आर्थिक संकट समाप्त होकर कर्ज मुक्ति मिलती है।
3. इस दौरान भगवान नृसिंह और हनुमानजी की पूजा का भी महत्व है। दोनों की पूजा करने से जीवन में यदि कोई संकट चल रहा हो तो वह दूर हो जाता है।
4. होलाष्टक के दौरान श्रीकृष्ण की पूरे समय उपासना की जाती है। इस दौरान लड्डू गोपाल का पूजन कर संतान गोपाल मंत्र का जाप या गोपाल सहस्त्र नाम पाठ करवा कर अंत में शुद्ध घी व मिश्री से हवन करेंगे तो शीघ्र संतान प्राप्ति होती है।
5. आप इस दौरान व्रत, दान-पुण्य भी कर सकते हैं। होलाष्टक के दौरान किए गए व्रत और किए गए दान से जीवन के कष्टों से मुक्ति मिलती है।
6. रोग से बचने के लिए योग्य वैदिक ब्राह्मण द्वारा शिव पूजा और महामृत्युंजय मंत्र का अनुष्ठान प्रारम्भ करवाएं, बाद में हवन करें।
7. विजय प्राप्ति हेतु आदित्यहृदय स्त्रोत, सुंदरकांड का पाठ या बगलामुखी मंत्र का जाप करें।
8. परिवार की समृद्धि हेतु रामरक्षास्तोत्र, हनुमान चालीसा व विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

मुर्दा घर में बॉयफ्रेंड का बर्थडे मनाने पहुंची गर्लफ्रेंड..

शवों की सुरक्षा में तैनात निजी एजेंसी के कर्मचारी रंगरेलियां मनाते हुए पकड़े गए हैं। रंगीन मिजाज कर्मचारी कई दिनों से दो युवतियों को मुर्दा घर में बुला रहे थे। जब शव लेकर कुछ लोग पहुंचे तो नजारा देखकर दंग रह गए। उन्होंने दोनों कर्मचारियों को युवतियों के साथ धर दबोचा और फोटो-वीडियो वायरल कर दिए। यह मामला मध्य प्रदेश में इंदौर शहर के एक सरकारी हॉस्पिटल का है।

इसके बाद अस्पताल प्रबंधन हरकत में आया और दोनों को नौकरी से हटा दिया गया। पूरे मामले में एजेंसी के सुपरवाइजर की भूमिका भी संदिग्ध बनी हुई है। कंपनी के सुपरवाइजर अतुल मराठे को जिम्मेदारी निगरानी की है।

जानकारी के अनुसार, मुर्दा घर के वेटिंग रूम में एक कर्मचारी बिस्तर पर युवती के साथ मिलता है। एक अन्य युवती और कर्मचारी दूसरे कमरे में मिलते हैं। एमवायएच में साफ-सफाई और सुरक्षा सहित अन्य काम एचएलएल और यूडीएस कंपनी मिलकर देखती है। इस पूरे मामले के बाद एक बार फिर अस्पताल प्रबंधन की नाकामियां सामने आ गई है। हॉस्पिटल के

मॉर्चरी में शवों की चौकसी करने वाली तैनात की गई एक कंपनी के दो कर्मचारी दो युवतियों के साथ पकड़ाए।

जैसे ही पोस्टमॉर्टम रूम के एक कमरे में दो युवतियां दिखीं तो शव रखने आए परिजन ने आपत्ति ली। एक ने उनके फोटो खींच लिए। यह देख हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने तत्काल लड़कियों को बाहर निकाला और उनके घर भी छोड़ आए। जब परिजन इसकी आपत्ति लेने लगे तो वे बोले कि आपको क्या करना है। आप अपना शव रखो और चले जाओ।

पिछले दिनों एक बुजुर्ग के 15 दिन तक पड़े शव के मामले के बाद से प्रबंधन ने शवों की चौकसी और उनके लेने-देने का ठेका एक कंपनी को दे दिया। यहां दिन और रात दो पालियों में कर्मचारी तैनात रहते हैं। दिन में तो लोग आते रहते हैं, लेकिन शाम 6 बजे बाद यहां आवाजाही बंद हो जाती है। रात में सिर्फ वे ही लोग आते हैं। जिनके किसी अपने ने दम तोड़ा हो और शव मॉर्चुरी में रखवाना हो, इसलिए यहां का पूरा परिसर सिर्फ निजी कंपनी के तीन-चार युवाओं के हवाले रहता है। यहां चौकसी करने वाले दो युवक चार दिन से दो लड़कियों को रोजाना ला रहे थे। एक बार तो उन्हें इमरजेंसी के पास देखा गया था। रात को कुछ परिजन शव लेकर वहां पहुंचे थे। इस दौरान स्ट्रेचर वाला कर्मचारी भी मौजूद था। वे जैसे ही पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर पहुंचे तो देखा कि लोगों के आने-जाने पर नजर रखने के लिए दो युवक बाहर तैनात थे। वे अंदर जाकर कुछ इशारा कर पाते इसके पहले ही परिजन और स्ट्रेचर लेकर कर्मचारी वहां पहुंच गया। उन्होंने दोनों युवतियों को अंदर देखा और फोटो खींच लिए। मामले में सामने आया की लड़की, अपने बॉयफ्रेंड का जन्मदिन मनाने यहां आई थी।

आपका राशिफल 22 मार्च

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
व्यर्थ की भाग दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से सफल हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। आलस्य से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यवकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक 4 7 8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक 1 4 7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक 3 5 6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। धर्म कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

स्पेशल खबर.. इस रहस्य को सुलझाने में भारत के मंगलयान की भी अहम भूमिका है।

मंगल ग्रह पर दिखा 1800 किलोमीटर लंबा सफेद बादल, उठेगा रहस्य से पर्दा

मंगल ग्रह पर जीवन के प्रमाण की खोज के तहत एक विचित्र तरह का लंबा सफेद बादल देखने को मिला है। पिछले कई वर्षों से ये बादल मंगल के आसमान में अक्सर देखने को मिल रहे हैं। लेकिन अब जाकर इस बादल का रहस्य खुला है। इस रहस्य को सुलझाने में भारत के मंगलयान की भी अहम भूमिका है। इस बादल की उत्पत्ति सौर मंडल के सबसे ऊंचे ज्वालामुखी पहाड़ के आसपास ही होती है। ये लंबा सफेद बादल बेहद रहस्यमयी था। वैज्ञानिकों ने इसे पहले भी कई बार देखा था। आइए जानते हैं इस बादल से जुड़े सभी रहस्य के बारे में।

मंगल ग्रह पर सौर मंडल का सबसे बड़ा ज्वालामुखी-गौरतलब है कि मंगल ग्रह पर सौर मंडल का सबसे बड़ा ज्वालामुखी है। इसका नाम ओलिंपिस मॉन्स है। कहते हैं कि यह ज्वालामुखी सौर मंडल का सबसे ऊंचा पहाड़ है। यह मंगल ग्रह के दक्षिणी हिस्से में स्थित है। इसके ऊपर से हर साल एक सफेद बादल की लंबी सी पूंछ मंगल ग्रह पर देखने को मिलती है।

आपको जानकार हैरानी होगी कि ओलिंपिस मॉन्स के ऊपर बनने वाला यह सफेद बादल हर दिन करीब 80 बार बनता और बिगड़ता है। जैसे-पिछली बार इसकी पूंछ की लंबाई 1800 किलोमीटर थी और इसकी चौड़ाई 150 किलोमीटर थी। इस बादल को अर्सिया मॉन्स एलॉन्गेटेड क्लाउड कहते हैं।

यूरोपियन स्पेस एजेंसी के मार्स एक्सप्रेस ऑर्बिटर ने अर्सिया मॉन्स एलॉन्गेटेड क्लाउड की तस्वीर ली है। विजुअल मॉनिटरिंग कैमरा ने इसकी तस्वीरें और वीडियो बनाया है।

यूरोपियन स्पेस एजेंसी और नासा के वैज्ञानिकों ने इस सफेद बादल स्टडी की तो पता चला कि यह बादल सूरज के उगने से पहले बना था। यह करीब ढाई घंटे तक मंगल ग्रह की सतह पर दिखाई देता रहा। ये खूबसूरत से दिखने वाला बादल 600 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से अपने सिरे से पूंछ की तरफ बह रहा था। इसके बाद यह अपनी उत्पत्ति वाली जगह से अलग हो गया और धूप खिलने तक गायब हो गया। लाल ग्रह पर बने अर्सिया मॉन्स एलॉन्गेटेड क्लाउड को ओरोग्राफिक बादल भी कहते हैं। ये सतह पर दक्षिण दिशा से उत्तर दिशा की ओर बहता है। धरती पर भी कई बार ऐसे बादल बनते हैं लेकिन इनकी लंबाई-चौड़ाई इतनी ज्यादा नहीं होती। न ही मंगल ग्रह पर बने इस सफेद बादल की तरह धरती के बादल डायनेमिक होते हैं।

इस बादल की स्टडी के लिए पांच सैटेलाइट्स का उपयोग किया है उसमें भारत का मंगलयान भी शामिल हैं। बाकी चार मिशन हैं- नासा का और मार्स एक्सप्रेस ऑर्बिटर। मंगलयान से प्राप्त तस्वीरें भी इस बादल और इसकी उत्पत्ति के जगह की तस्वीरें ले चुका है। जिसे यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने इसरो से मांगा था।